एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

पशु में प्रजनन प्रबंध: एक अति आवश्यक प्रक्रिया

(*पवन आचार्य)
राजस्थान कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: pawanacharya93@gmail.com

गाय-भैंसों की प्रजनन विशेषताएँ:

मवेशी (रेंज)/भैंस (रेंज)

1. यौन ऋतुए- पॉलीओस्ट्रस/पॉलीओस्ट्रस
2. यौवन पर आयु (महीने)-15(10-24)/21(15-36)
3. मद चक्र की लंबाई (दिन) 21(14-29)/21 (18-22)
4. मद संकेत की अवधि (घंटे) -18(12-30)/21 (17-24)
5. गर्भधारण की अवधि (दिन)-280 (278-293)/315 (305-330)
6. 6 प्रथम ब्यांत के समय आयु (महीने)-30 (24-36)/42 (36-56)
7. ब्याने का अंतराल (महीने)-13 (12-14)/18 (15-21)

गाय-भैंसों में मद के लक्षण

- अन्य गायों पर चढ़ने के लिए खड़ा होना।
- अन्य गायों पर चढ़ने का प्रयास।
- योनी से रेशेदार श्लेष्मा लटक रही है।
- नितम्बों पर बलगम लगा हुआ है।
- बेचैनी बढ़ गई।
- दूध की पैदावार में गिरावट।
- चारे का सेवन कम होना।
- बार-बार चिल्लाना।
- अन्य गायों द्वारा गाय की दुम पर टिकी ठुड्डी, पूँछ ऊपर उठाना।
- वल्वाल शोफ।
- जल्दी पेशाब आना।

गाय-भैंसों के प्रजनन के लिए सर्वोत्तम समय

- 250 किलोग्राम से कम वजन वाले पशु प्रजनन के लिए उपयुक्त नहीं हैं।
- 250 किलोग्राम से अधिक वजन वाले पशु - प्रजनन के लिए उपयुक्त।
- यदि सुबह में मद के लक्षण दिखाई दें तो शाम को पशु का प्रजनन कराएं।
- यदि शाम को मद के लक्षण दिखाई दें तो अगले दिन सुबह पशु का प्रजनन कराएं।

- मवेशियों और भैंसों में गर्भावस्था निदान का महत्व
- प्रजनन के 45-60 दिन बाद योग्य पशु चिकित्सक से गर्भधारण का निदान कराना चाहिए।
- इससे सकारात्मक पशुओं में गर्भवती पशुओं के सर्वोत्तम आहार और देखभाल की सुविधा मिलती है।
- यह नकारात्मक पशुओं में अगले मद में पशु के प्रजनन का स्पष्ट तरीका प्रदान करता है।
- डेयरी पशुओं की प्रजनन स्थिति को जानना
- मद के संकेतों के 18 घंटे (औसतन 12-30 घंटे) - सामान्य
- 12 घंटे से कम/मद के लक्षणों का अभाव-असामान्य (एनोएस्ट्रस)

कारण

- मद के लक्षणों का पता लगाने में विफलता।
- सुबोएस्ट्रस, कमजोर या मूक ऑस्ट्रस।
- पोषण का निम्न स्तर - ऊर्जा और प्रोटीन की कमी, खनिजों की कमी जैसे कि P, Co, Fe, Cu, I, Mn और विटामिन A
- यह पहचानने में विफलता कि कोई जानवर गर्भवती है।
- प्योमेट्रा, ममीकृत भ्रूण, भ्रूण का धंसना, म्यूकोमेट्रा और हाइड्रोमेट्रा जैसे गर्भाशय विकृति के कारण एनोएस्ट्रस और
- अपर्याप्त हार्मोनल उत्तेजना।

प्रबंध

- प्रबंधकीय कमियों और मद की छोटी अवधि के कारण मद का निरीक्षण न होना हो सकता है।
- दिन में कम से कम तीन बार डेयरी पशुओं पर गर्मी के लक्षणों का निरीक्षण किया जाना चाहिए।
- मद की पहचान के लिए दीवार चार्ट, प्रजनन चक्र, झुंड मॉनिटर और व्यक्तिगत गाय रिकॉर्ड का उपयोग किया जा सकता है।
- टीज़र बैल (नसबंदी करके या एप्रन लगाकर) बड़ी संख्या में जानवरों विशेषकर भैंस गायों में गर्मी की पहचान करने में उपयोगी होते हैं।
- मद का पता लगाने में सुधार के लिए पर्याप्त रोशनी का प्रावधान।
- मूक/कमजोर/सुबोएस्ट्रस भैंस गायों में सबसे आम हैं और प्रसवोत्तर अवधि में आम हैं। इसमें जनन अंगों में चक्रीय परिवर्तन तो होते हैं लेकिन गर्मी के लक्षण प्रदर्शित नहीं होते या नज़र नहीं आते। इसके लिए योग्य पशु चिकित्सक द्वारा मलाशय परीक्षण की आवश्यकता होती है।
- सांद्र मिश्रण या मक्का, चोलम, कंबु जैसे अनाज का अतिरिक्त खिलाना। आदि, और अन्य मोटे चारे के साथ कम से कम थोड़ी मात्रा में हरा चारा।
- खनिज मिश्रण की समुचित पूर्ति होनी चाहिए
- प्रजनन के बाद पशुओं की गर्भावस्था की जांच 45-60 दिनों के भीतर योग्य पशु चिकित्सक से करानी चाहिए।
- गर्भाशय विकृति विज्ञान और हार्मोनल उत्तेजनाओं को योग्य पशु चिकित्सक द्वारा नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- पशु हमेशा मद लक्षण में / यौन रूप से आक्रामक-असामान्य (बुलर्स)

कारण

- एक या दोनों अंडाशय पर एकल या एकाधिक एनोवुलेटरी फॉलिकल्स का विकास।
- वंशानुगत, उच्च प्रोटीन आहार, प्रसवोत्तर गर्भाशय संक्रमण और उच्च दूध उत्पादन इस स्थिति का कारण बन सकते हैं।

- ये जानवर अनुमस्तिष्क कशेरुकाओं के ऊपर की ओर विस्थापन को भी प्रदर्शित करते हैं जिन्हें "स्टेरिलिटी हंप" के रूप में जाना जाता है।
- इस स्थिति में लंबे समय तक दूसरी गाय की सवारी करना स्वीकार करते हैं और बार-बार अन्य गायों पर चढ़ने का प्रयास करते हैं, जिन्हें "बुलर्स" के नाम से जाना जाता है।

प्रबंध

- इस स्थिति में योग्य पशु चिकित्सक द्वारा अंडाशय की मलाशय जांच की आवश्यकता होती है।
- प्रारंभिक मामलों में पूर्वानुमान अच्छा है और लंबे समय तक चलने वाले मामलों में खराब है।
- निकटतम योग्य पशु चिकित्सक से परामर्श लें
- 18-21 दिनों के अंतराल पर मद चक्र - सामान्य
- 18 दिनों से कम अंतराल पर मद चक्र- असामान्य (छोटा चक्र)
- 21 दिनों से अधिक के अंतराल पर मद चक्र- असामान्य (लंबा चक्र)
- तीन सेवाओं के अंतर्गत गर्भाधान किया गया पशु - सामान्य
- तीन से अधिक सेवाओं के लिए गर्भधारण न किया गया पशु- असामान्य (दोहराए गए प्रजनक)

कारण

- ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन रिलीज की कमी के कारण, ओव्यूलेशन में देरी या ओव्यूलेशन की विफलता से निषेचन विफलता हो सकती है।
- दोषपूर्ण डिंब या डिंब की उम्र बढ़ने से निषेचन विफलता हो सकती है।
- शुक्राणु की एक व्यवहार्य डिंब को निषेचित करने में असमर्थता।
- युग्मकों की एक दूसरे तक पहुँचने में असमर्थता।
- ट्राइकोमोनास भ्रूण, कैम्पिलोबैक्टर भ्रूण, ब्रुसेला एबॉर्टस और आईबीआर-आईपीवी जीव जो भ्रूण की प्रारंभिक मृत्यु का कारण बन सकते हैं।
- सेलेनियम और विटामिन ई की कमी से भ्रूण की शीघ्र मृत्यु हो सकती है।
- लंबे समय तक एस्ट्रोजेनिक चारा खिलाने से भ्रूण के जीवित रहने पर असर पड़ सकता है।
- प्रजनन के बाद पहले सप्ताह के दौरान पर्यावरणीय तनाव से भ्रूण की शीघ्र मृत्यु हो सकती है।

प्रबंध

- पशु को सकारात्मक पोषक संतुलन में लाएँ।
- प्रजनन करने वाले पशुओं को खनिज मिश्रण की खुराक देनी चाहिए।
- प्रत्येक मद में दो बार कृत्रिम गर्भाधान करें , बेहतर होगा कि 12 या 24 घंटे के अंतराल पर।
- गर्भाशय विकृति के लिए एआई और अंतर्गर्भाशयी संक्रमण को छोड़ना माना जा सकता है।
- रोगग्रस्त सांडों को प्रजनन के लिए अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- रोगग्रस्त प्रजनन वाले सांडों से बचकर गर्भपात का कारण बनने वाले रोगजनक जीवों को नियंत्रित किया जा सकता है।

मवेशियों में बांझपन - कारण और उपचार: भारत में डेयरी फार्मिंग और डेयरी उद्योग में बड़े आर्थिक नुकसान के लिए मवेशियों में बांझपन जिम्मेदार है। बांझ जानवर को पालना एक आर्थिक बोझ है और ज्यादातर देशों में ऐसे जानवरों को बूचड़खानों में ले जाया जाता है।

मवेशियों में, लगभग 10-30 प्रतिशत स्तनपान बांझपन और प्रजनन संबंधी विकारों से प्रभावित हो सकता है। अच्छी प्रजनन क्षमता या उच्च ब्यांत दर प्राप्त करने के लिए नर और मादा दोनों पशुओं को अच्छा आहार दिया जाना चाहिए और बीमारियों से मुक्त होना चाहिए।

बांझपन के कारण: बांझपन के कारण कई हैं और जटिल भी हो सकते हैं। बांझपन या गर्भधारण करने और बच्चे को जन्म देने में विफलता कुपोषण, संक्रमण, जन्मजात दोष, प्रबंधन त्रुटियों और महिला में डिम्बग्रंथि या हार्मोनल असंतुलन के कारण हो सकती है।

यौन चक्र: गाय और भैंस दोनों में यौन चक्र (मद) 18-21 दिनों में एक बार 18-24 घंटों के लिए होता है। लेकिन भैंसों में चक्र शांत रहता है जो किसानों के लिए एक बड़ी समस्या है। किसानों को सुबह से देर रात तक 4-5 बार पशुओं की बारीकी से निगरानी करनी चाहिए। खराब गर्मी कटौती से बांझपन का स्तर बढ़ सकता है। दृश्य संकेतों के लिए जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए काफी कौशल की आवश्यकता होती है। जो किसान अच्छे रिकॉर्ड रखते हैं और जानवरों को देखने में अधिक समय बिताते हैं उन्हें बेहतर परिणाम मिलते हैं।

बांझपन से बचने के उपाय:

- प्रजनन ऋतुकाल के दौरान किया जाना चाहिए।
- जिन जानवरों में मद नहीं होता है या जो चक्र में नहीं आते हैं उनकी जांच और इलाज किया जाना चाहिए।
- पशुओं के स्वास्थ्य की स्थिति को बनाए रखने के लिए कृमि संक्रमण के लिए 6 महीने में एक बार कृमि मुक्ति करनी चाहिए। समय-समय पर कृमि मुक्ति में एक छोटा सा निवेश डेयरी उद्योग में अधिक लाभ ला सकता है।
- मवेशियों को ऊर्जा, प्रोटीन, खनिज और विटामिन की खुराक वाला संतुलित आहार खिलाना चाहिए। इससे गर्भधारण दर में वृद्धि, स्वस्थ गर्भावस्था, सुरक्षित प्रसव, संक्रमण की कम घटना और स्वस्थ बछड़ा प्राप्त करने में मदद मिलती है।
- अच्छे पोषण के साथ युवा मादा बछड़ों की देखभाल से उन्हें 230-250 किलोग्राम के अधिकतम शारीरिक वजन के साथ समय पर यौवन प्राप्त करने में मदद मिलती है, जो प्रजनन के लिए उपयुक्त होती है और इस तरह बेहतर गर्भधारण करती है।
- गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त मात्रा में हरा चारा खिलाने से नवजात बछड़ों में अंधापन और प्लेसेंटा (जन्म के बाद) रुकने से बचा जा सकेगा।
- प्राकृतिक सेवा में, जन्मजात दोषों और संक्रमणों से बचने के लिए सांड का प्रजनन इतिहास बहुत महत्वपूर्ण है।
- स्वच्छ परिस्थितियों में गायों की सेवा करने और उन्हें ब्याने से गर्भाशय के संक्रमण से काफी हद तक बचा जा सकता है।
- गर्भाधान के 60-90 दिनों के बाद, योग्य पशु चिकित्सकों द्वारा पशुओं की गर्भावस्था की पुष्टि की जाँच की जानी चाहिए।
- जब गर्भाधान होता है, तो गर्भावस्था के दौरान महिला एस्ट्रस (नियमित एस्ट्रस चक्र का प्रदर्शन नहीं) की अवधि में प्रवेश करती है। गाय का गर्भधारण काल लगभग 285 दिन और भैंस का 300 दिन होता है।
- गर्भावस्था के अंतिम चरण के दौरान अनावश्यक तनाव और परिवहन से बचना चाहिए।
- बेहतर आहार प्रबंधन और प्रसव देखभाल के लिए गर्भवती पशु को सामान्य झुंड से दूर रखा जाना चाहिए।

- गर्भवती पशुओं को प्रसव से दो महीने पहले उनका दूध निकाल देना चाहिए और पर्याप्त पोषण और व्यायाम देना चाहिए। इससे मां के स्वास्थ्य में सुधार, औसत वजन के साथ स्वस्थ बछड़े के जन्म, बीमारियों की कम घटना और यौन चक्र को जल्दी वापस लाने में मदद मिलती है।
- उनके अनुसार, आर्थिक और लाभदायक डेयरी फार्मिंग के लिए प्रति वर्ष एक बछड़े के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रसव के चार महीने या 120 दिनों के भीतर प्रजनन शुरू किया जा सकता है।